बच्चों के लिए बाइबिल
प्रस्तुति

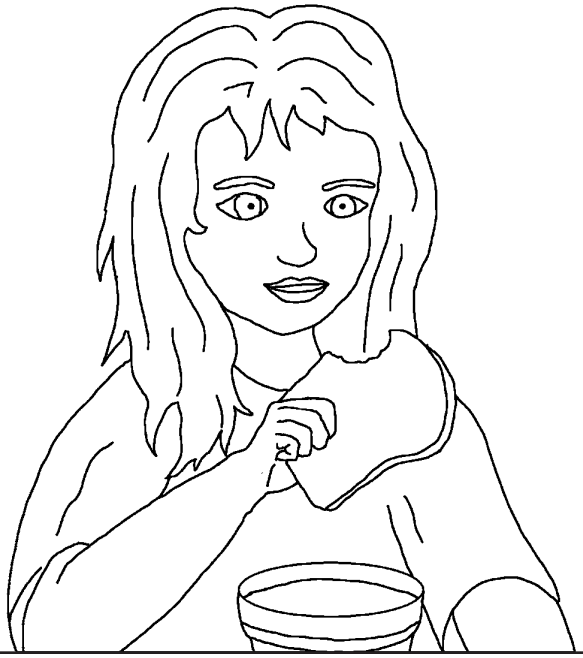

दोबारा जीवन पाने वाली लड़की

लेखक: Edward Hughes
व्याख्याकार: Janie Forest
रूपान्तरकार: Ruth Klassen
Alastair Paterson
अनुवाद: Suresh Kumar Masih
प्रस्तुतकर्त्ता: Bible for Children
www.M1914.org

BFC
PO Box 3
Winnipeg, MB R3C 2G1
Canada

©2020 Bible for Children, Inc.
अनुज्ञापत्र (लाइसेंस): आप इन कहानियों की छाया प्रति और मुद्रण करवा सकते हैं, बशर्ते कि बेचें नहीं।

याईर एक यहूदी धार्मिक अगुवा था जो परमेश्वर की पूजा करता और दूसरों को परमेश्वर के वचन को सिखाया करता था। एक दिन, एक भयानक मुसीबत याईर के घर आयी। सिर्फ बारह वर्ष की उम्र में उसकी प्रिय बेटी, बीमार हो गयी। कोई भी उसकी मदद नहीं कर सका। वह एक गम्भीर बीमारी थी। याईर को मालूम था, की उसकी बेटी मर रही है।

केवल एक व्यक्ति याईर की बेटी की मदद कर सकता था। याईर, यीशु को ढूँढने के लिए और उसे अपने घर बुलाने के लिए निकल पड़ा। याईर को शायद यह मालूम था की उसके धार्मिक मित्र यीशु का अनुमोदन नहीं करते थे।

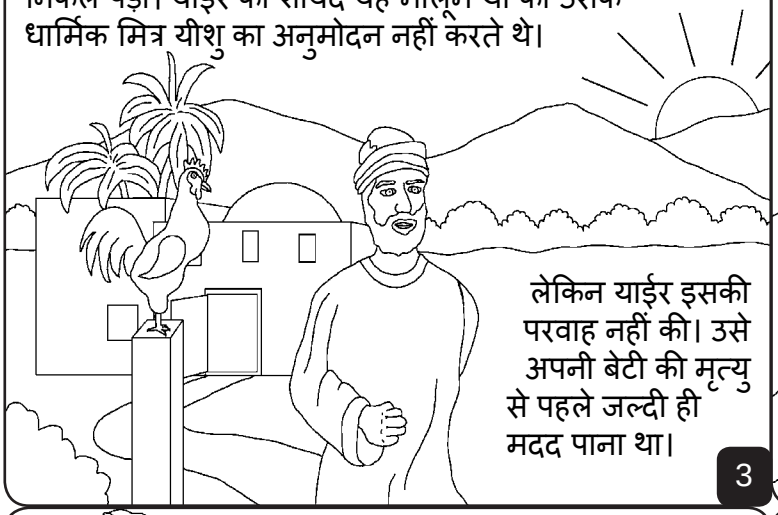

लेकिन याईर इसकी परवाह नहीं की। उसे अपनी बेटी की मृत्यु से पहले जल्दी ही मदद पाना था।

3

याईर, यीशु को लोगों से घिरा पाया।

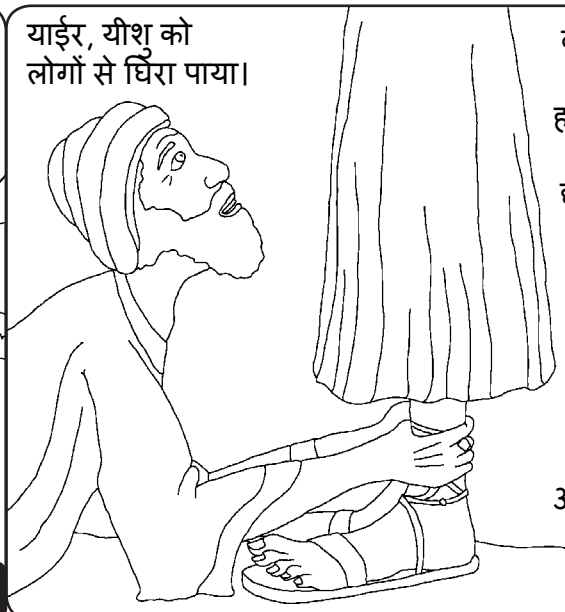

वह 'यीशु के पांवों पर गिर गया। हताश होकर उसने विनती की "मेरी छोटी बेटी मौत के कगार पर है।" "कृपा करके चलिए, और मेरी बेटी के ऊपर हाँथ रखिये तब वह चंगी हो जाएगी और वह जियेगी।"

4

यीशु याईर के साथ गया। लेकिन वे भारी भीड़ के कारण जल्दी वहां से निकल न सके। एक महिला, बारह साल से बहुत बीमार थी। वह सभी डॉक्टरों के पास गयी (और उसके सारे पैसे खर्च कर दी) परन्तु कोई मदद नहीं मिला। ओह, वह यीशु को देखना चाहती थी!

5

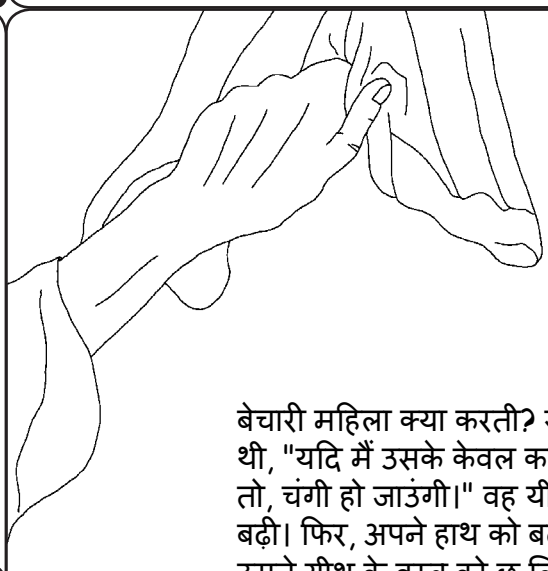

बेचारी महिला क्या करती? स्त्री मन में कहती थी, "यदि मैं उसके केवल कपड़े को छू लूंगी तो, चंगी हो जाउंगी।" वह यीशु की ओर आगे बढ़ी। फिर, अपने हाथ को बढ़ाते हुए, उसने यीशु के वस्त्र को छू लिया।

6

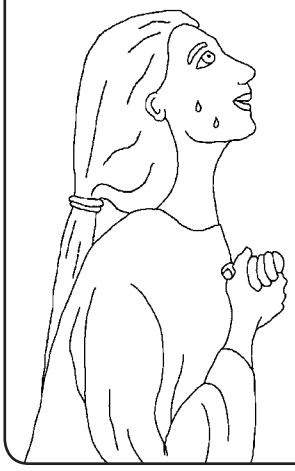

एक चमत्कार! एक चमत्कार! महिला चंगा हो गयी। वह पूरी तरह से! अभी तुरंत! उसने जान लिया की वह अच्छी और चंगी हो चुकी थी। लेकिन फिर एक आवाज आयी "किसने मुझे छुआ?" यीशु ने पूछा भीड़ ने उसे छुआ है। लेकिन जो औरत चंगी हो गयी थी वह जानती थी कि उसे इसके बारे में बताना चाहिए। डरते - डरते, उसने उसे अपनी पूरी कहानी सुनाई।

7

तभी, याईर के घर से उसके नौकर आये। शायद शब्दों से पहले उनके चेहरे इस दुखद कहानी को सुना रहे थे। "आपकी बेटी मर चुकी है!" वे याईर को बताये, अब बहुत देर हो चुकी थी। शायद, यदि यह औरत इन बातों में देरी नहीं करती तो ... शायद, बेटी बच जाती ... याईर की प्रिय छोटी लड़की मर चुकी थी। जब यीशु ने यह सुना, तो उसने जवाब दिया, "मत डरो, केवल विश्वास करो, और वह चंगी हो जाएगी।" वास्तव में उस समय याईर को यीशु पर विश्वास करना कितना मुश्किल था। उसकी बेटी मर गयी थी।

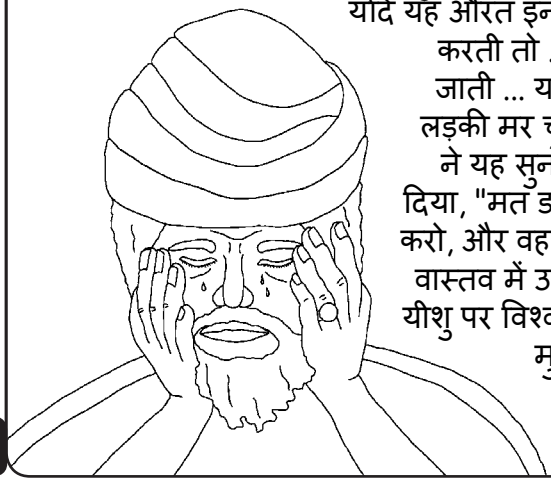

8

घर में, हर कोई रोया और लड़की के लिए विलाप किये। यीशु ने उन से कहा "वह मरी नहीं, लेकिन सो रही है।" वे उस पर हंस रहे थे। वे जानते थे कि अब वह लड़की मर चुकी थी।

9

यीशु ने उन सभी को बाहर भेज दिया, अपने हाथ से लड़की को उठाया और कहा, "छोटी बेटी उठो।" याईर वहाँ था। उसकी पत्नी भी वहीं थी। 'यीशु के तीन शिष्य भी वहीं थे। वे सब यीशु के शब्द सुन रहे थे। क्या छोटी मृत लड़की भी, हाँ उन्हें सुनी होगी?

10

वह मृत लड़की 'यीशु के आज्ञा को सुनी! उसकी आत्मा लौट आयी, और वह तुरंत उठ ग़यी। यीशु मृतकों में से उसे जिलाया था।

11

लड़की के माता पिता चकित थे। यीशु ने उनसे कहा, लड़की को कुछ खाने को दो। वे कितने खुश हुए होंगे; वे यीशु के कितने आभारी थे। उसके अद्भुत प्रेम और शक्ति से उनकी बेटी वापस जीवित हो गयी।

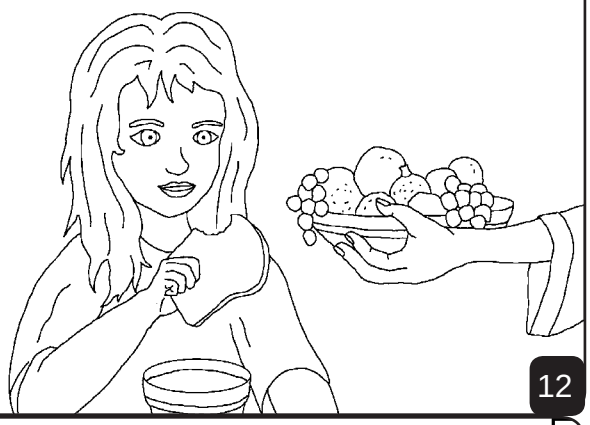

12

दोबारा जीवन पाने वाली लड़की

बाइबिल से, परमेश्वर के वाणी में कहानी

में पाया गया

मारकूस 5, लूका 8

“जो आपके जीवन में प्रकाश देता है।”
प्लाज्म 119:130

13

समाप्त

14

बाइबल की यह कहानी हमें अपने उस अद्भुत परमेश्वर के बारे में बतलाती है जिसने हमें बनाया और जो चाहता है कि आप उसे जानें।

परमेश्वर जानता है कि हमने ऐसे गुनाह किए हैं जिन्हें वह पाप मानता है। पाप की सज़ा मौत है किंतु परमेश्वर आपसे इतना प्रेम करता है कि उसने अपने एकमात्र पुत्र यीशु को इस दुनिया में भेजा ताकि वह सूली (क्रॉस) पर चढ़कर आपके पापों की सजा भुगते। यीशु मरने के बाद पुन: जीवित हुआ और स्वर्ग में अपने घर चला गया। यदि आप यीशु में विश्वास करते है और उससे अपने पापों की क्षमा मांगते हैं तो वह अपकी प्रार्थना सुनेगा। वह अभी आकर आपके अंदर बसेगा और आप हमेशा ही उसके साथ बने रहेंगे।

यदि आपको विश्वास है कि यह सब कुछ सच है, तो परमेश्वर से कहें: प्रिय यीशु, मुझे विश्वास है कि तू ही परमेश्वर है और मनुष्य के रूप में अवतरित हुआ ताकि मेरे पापों की वजह से। मौत की सजा भुगत सके और अब तू पुन: जीवित हुआ है। कृपया मेरी ज़िंदगी में आकर मेरे पापों को क्षमा कर, ताकि मुझे एक नया जीवन मिले और एक दिन में हमेशा हमेशा के लिए तेरे साथ हो लूं। हे यीशु, मेरी मदद कर ताकि मैं तेरी हर आज्ञा का पालन कर सकूं और तेरी संतान के रूप में तेरे लिए जी सकूं। आमीन।

बाइबल पढ़ें और प्रतिदिन ईश्वर से बात करें! जॉन 3:16